



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दौरे भूमि	५. ८. २२	१	७-८



हिसार। मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, सतीश कुमार व अन्य।

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : कुलपति

■ राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली
वैकेया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य
पर व्याख्यान का आयोजन

हरिगूड़ि न्यूज़॥ हिसार

किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच नहीं आने दे। वह विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर धर तिरंगा अभियान के सुभारंभ अवसर पर बौद्धर मुख्यालिंथ बोल रहे थे। अभी लक्ष तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहरावा या लगाया जाता रहा है। अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है।

तिरंगा के जनक को दी गई श्रद्धांजलि

कुलपति ने कहा कि जिस तिरंगे को लहराता देशकर देशवासियों का साला गर्व से देखा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आज-जल्दी-शब्द के रिक्ष देश के जावान उपली जल भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वैकेया को यह तरने की जन्मस्त है। उन्होंने इस व्याख्या लेखनी को अद्वितीय ये और उहाँ उन्हें इस योजनान की कमी कुतावा जानी जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय सम्बन्ध से रिखा हर एक तक पहुँचके और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक कराने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की सृजनी में व्याख्यान

इस अंकसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैकेया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्यवक्ता सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व तथा गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजू महता ने अतिथियों का स्वागत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	५.८.२२	५	७-८

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : कुलपति



कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. श्री.आर. काम्बोज।

हिसार, ३ अगस्त (व्यूरो) : किसी भी राष्ट्र के राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दावित्य बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे भारत की आजादी के ७५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर

मुख्यांतरिथ बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त काण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से लौटा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसको आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं। उन्होंने जनक पिंगली वेंकेया को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित भांती संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक अखबार	५.४.२२	५	१-२

पिंगली वेकेया के जन्मदिवस पर व्याख्यान



ठिकर में कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्होज। इस डिसार (नियम) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय घज के जनक पिंगली वेकेया के जन्मदिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गृहिणी पर विस्तार से प्रकाश दाला। कुलपति प्रो. बीआर काम्होज ने विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अधिवान का शुभार्थ किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय घज उसकी पहचान व नरिमा का प्रतीक है। पत्तेक जानकारी का दायित्व बनाता है कि वह राष्ट्रीय घज के गज-सम्मान के लिए तो पर रहे और इसकी नरिमा पर कभी आंघ न आने दे। वह बहुत उपर्युक्त दृष्टि है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का मीना गर्व से पौड़ा हो जाता है, जो देश की शक्ति का प्रतीक है और जिसकी जान-बाज-शान के लिए देश के जवान जान भी कुर्बाल कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वेकेया को बाट किया जाए। उन्होंने इस खात्रिता सेनानी को बढ़ावानि दीं और कहा उनके इस योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आङ्गन किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो दंडा ल्याइटने में उसमें है उन्हें दंडा उपर्युक्त मुद्रिया कराया जाना चाहिए, ताकि वे भी इस गुडिम से जुड़ सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अमर उजाला’	५.४.२२	५	५-६

तिरंगा के सम्मान के लिए रहें तत्पर गरिमा पर न आने दें आंच : कांबोज



एचएयू में आयोजित गोष्ठी में मौजूद कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। तस्वीर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नाश्रिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे।

यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अद्वृत महोसूल के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के सुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त शुश्रा है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैकेया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर व्याख्यान आयोजित

और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वैकेया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को ब्रह्मजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जाजीर समाचार	५.४.२२	५	२५

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक, जगता है देशभक्ति की मात्रा : प्रो. काम्बोज

हिसार, ३ अगस्त (विंदेंद्र वर्मा) : किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विवार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के ७५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बहार मुख्यालिय बोल रहे थे।

उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहराया या लगाया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे

में जागरूक करना, तिरंगे से लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से छोड़ा हो जाता है, जो लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा जिसकी आन-बान-शान के लिए भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके भूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली

**राष्ट्रीय ध्वज के जनक
श्री पिंगली वेंकैया के
जन्मदिवस के उपलक्ष्य
पर व्याख्यान आयोजित**

कितनी कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिला है। उन्हे अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखना चाहिए।

**तिरंगा के जनक को दी
अद्वांजलि**

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को

स्वकिंगत संबंध स्थापित करना और देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को अद्वांजलि दी और कहा उसके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा

हर घर पहुंचाएं तिरंगा

उन्होंने विश्वविद्यालय समूदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ हैं उन्हे झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान

इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक श्री पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी श्री सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महला ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मीलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. बर्वती टोकस ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बन्धित पत्र का नाम <u>दैनिक मास्टर</u>	दिनांक ५.९.२२	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम ७-८
--	------------------	-------------------	-------------

एचएयू और अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिकों की सलाह मौनसून में गन्ने की फसल की देखभाल जरूरी, अधिक वर्षा होने पर पानी निकाल दें

भास्कर नृज | हिता

अगस्त मह के मौनसूनी सीजन में गन्ने की फसल की देखभाल जरूरी है। किसान गन्ने की अधिक पैदावार पाने के लिए अधिक वर्षा होने पर पानी को भी खेत से निकाल देना चाहिए। हिमार के एचएयू और अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को टिप्पणी दे रहे हैं। एचएयू कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज के अनुसार, यह सी सावधानी से अधिक पैदावार पाइ जा सकती है। उन्होंने किसानों की समझाओं के समाधान के लिए अलग से 12 वैज्ञानिकों की ट्रियुटियां लगाई है।

प्रति एकड़ 25 किलो घूरिया डालें किसान

- यदि मानसून की शुरुआत के बाद शुष्क मौसम होता है तो मौनसून पूर्व (8-10 दिन) अनुसूची के अनुसार सिंचाई जारी रखें।
- यदि सिंचाई का पानी सीमित हो तो बैकलिंपक खुड़ों में सिंचाई करें।
- भारी वर्षा के चलते जल निकासी के बाद 25 किलो घूरिया प्रति एकड़ की दर से डालें।

रोगों से बचाव को पर्जीवी के अंडे छोड़ें

- अगस्त में ताराई बेधक की गेकथाम के लिए 10 दिन के अंतर में ट्राइकोप्रामा कल्लोनिस पर्जीवी के 20 हजार अण्डे प्रति एकड़ की दर से छोड़ें। • जड़ बेधक के नियंत्रण के लिए 8 कि.ग्रा. विवरलफॉस प्रति एकड़ खुड़ों के साथ-साथ डालें व हरन्को सिंचाई करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
कृषि, मासिक	५.८.२२	२	१-४

जन्मदिवस • राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया की याद में कार्यक्रम में बोले वीसी तिरंगा देश की पहचान और गरिमा का प्रतीक, जगाता है देशभवित की भावना

सिटी रिपोर्टर • किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मानसम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाहिस चासलर प्रो. वीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलब्ध में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यालिय बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत में अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर फहराया या लगाया जाता रहा है।



श्रद्धांजलि : भुलाया नहीं जा सकता उनका योगदान

वीसी ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

हर घर तिरंगा अभियान के पीछे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज और लोगों के दिलों में देशभवित के बारे में जागरूक करना, तिरंगे की भवना को जगाना है। उन्होंने

हर घर पहुंचाएं तिरंगा

वीसी ने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खिरादें में असमर्थ हैं उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें। यह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. येनू महता ने स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।

कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम्बर थौर	3.8.2022	--	--

राष्ट्रीय ध्वज देश के मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है: कुलपति

हिसार/03 अगस्त / रिपोर्टर

किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पाहचान व मरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मानसामान के लिए तत्पर रहे और इसकी मरिमा पर कभी अंदर न आने दें। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति भ्रमी बी डॉ जगदीश काम्बोज ने व्यक्त किया। वे भारत की उत्तराधीन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बनाए जा रहे उत्तराधीन का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर चर तिरंगा अधियान के सुप्रारंभ अवसर पर बाहरी मुख्यालिय कोल रहे थे। उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और सम्भाषण रहा है।



इसके विशेष घटनों पर ही फ़ाहराया या लगाया जाता रहा है। हर चर तिरंगा अधियान के पीछे का विचार लोगों की राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भवना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने विशेषकर बुवाझों से आल्यान किया कि वे तिरंगे के इतिहास को जाने कि

कितने कुचालियों व कठिन प्रयत्नों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लाहराने का अवसर प्रिय है। उन्हें अपने पूर्वजों की कुचालियों को बाद रखते हुए, सम्मानपूर्वक तिरंगे की आनंदानंदान की बनाए रखना चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त छाप है कि विश्व तिरंगे का संहारा देशकर देशवासियों का सौना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और विसंगती की झंडा खोदने में असमर्थ है, उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया

देश के जाधान अपनी जन भी कुचालन कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वैकेन्ह को बाद किया जाए। उन्होंने इस स्वरूपता सेनानी को ब्रह्मांजलि दी और कहा उनके इस बोगदान को कभी भूला नहीं जा सकता। उन्होंने विश्वविद्यालय ममदाद्य से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आल्यान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खोदने में असमर्थ हैं, उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया

जाना चाहिए। ताकि ये भी इस मुहिम से जुड़ सकें। इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैकेन्ह के जनहातवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व प्रिय पर ज्ञाल्यान भी अहोवित किया गया। मुख्यालिया व बृद्धीजीवी सतीका कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महात्व व चीमा पर प्रकाश डाला। इससे पूर्ण कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया। जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने भनवाट ग्रस्ताव जापित किया। नंद का संचालन डॉ. जयसी टोकसा ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम
भिराज मिशन्स

दिनांक
3.8.2022

पृष्ठ संख्या
--

कॉलम
--

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : प्रो. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज
हिसार। किसी भी राष्ट्र का
राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व
गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक
नागरिक का दायित्व बनता है कि
वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान
के लिए तत्पर रहे और इसकी
गरिमा पर कभी आंच न आने दे।

यह विचार चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने
व्यक्त किए। वे भारत की आजादी
के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में
मनाए जा रहे आजादी का अमृत
महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय
में हर घर तिरंगा अभियान के
शुभारंभ अवसर पर बतौर
मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने



हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक
औपचारिक और संस्थागत रहा
श्रद्धांजलि : कुलपति ने कहा
है। इसको विशेष भवनों पर ही
फहराया या लगाया जाता रहा है।
उन्होंने विशेषकर युवाओं से
आँदोन किया कि वे तिरंगे के
इतिहास को जाने कि कितनी
कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के
आन-बान-शान के लिए देश के
बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज
लहराने का अवसर मिला है। उन्हें
अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को
याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे
की आन-बान-शान को बनाए
श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस
योगदान को कभी भुलाया नहीं

जा सकता।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की
स्मृति में व्याख्यान : इस अवसर
पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक
श्री पिंगली बैंकेया के जन्मदिवस
के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय
ध्वज का महत्व विषय पर
व्याख्यान भी आयोजित किया
गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी
सतीश कुमार ने तिरंगे के
इतिहास, महत्व व गरिमा पर
विस्तार से प्रकाश डाला।

इससे पूर्व कार्यक्रम के
आयोजक डॉ. मंजू महता ने
अतिथियों का स्वागत किया
जबकि कार्यक्रम के अंत में डॉ.
नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव
जापित किया। मंच का संचालन
डॉ. जयंती टोकस ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम सभस्त्र इराजा	दिनांक 3.8.2022	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --
-------------------------------------	--------------------	--------------------	------------

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक, जगता है देशभक्ति की भावना : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। जिसी भी एक का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्राचीन नारायण का दर्शन बनता है कि यह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए लक्ष्य होते और इसकी गरिमा यह कभी अधिक न आने दे। यह विचार चीथी चार विधि विधायण की विधायिकाओं के खुलासा विद्या वी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की जनशक्ति के 75 वर्ष पूर्व होने के उपलब्ध में भवित्व वाले अजाही का अप्रूत योग्यतावाच के लल विधायिकाय में हर घर विद्या अभियान के शुभारंभ अवसर पर यहीं युग्मान्वय बोल ले थे तदनन्तर कहा अभी तक विद्या के योग द्वारा संरक्षण व्यक्तिगत में अधिक अधिकारिक और संस्थानी रहा है। इसकी विद्या भवनों पर ही योग्यता के मानदण्ड बनते रहे हैं। इस विद्या अभियान के लिए का विद्यार दीर्घी को योग्य ध्वज के घर में जागरूक करना, विद्या में व्यक्तिगत संरक्षण न्यायिक करना और लीडों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज हमारे सूची-बीती विद्यार्थी का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने विद्योपकार युवाओं से लक्ष्यन किया कि वे विद्यार्थी के इतिहास को जाने के लिए युवाओं को जटिल प्रश्नों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिलता है। उन्होंने युवाओं की कुर्सीनों को याद रखते हुए उनके इस ध्वजान को कभी भूलाया नहीं जा सकता।



सद्भावना वालों।

विद्यर्थी के जनक को दी अद्वैतविद्या

कुमारी ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त ध्वज है कि विद्यर्थी को जनशक्ति देखकर देशभक्तियों का मीना गर्व से लौट हो जाता है, जो देश को लक्ष्य का प्रतीक है और विद्यार्थी भाव-वालन के लिए देश के जगत-व्यवस्था विकास की धूमधारी बनते हुए उनके लिए यह भी यह सूचीम से जुड़ सकता।

इस ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान

उन्होंने विधायिकाय सम्मुद्रम से लिया हुए यह यह तक

पहुंचाने और लोगों को इसके प्रतीक के बारे वापक वार्ते का आठवां किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो

मतील कुमार ने विद्यार्थी के हार में विद्यार्थी का व्याख्या

पर विद्यार्थी के प्रबलता दाता। इससे युवा कार्यक्रम के अधीक्षक विधायिकाय के गृह विज्ञान संसाधनालय की अधिकारियों द्वारा लक्षित हुई। मतील कुमार ने अधिकारियों का व्याख्या किया जाना चाहिए ताकि वे भी इस सूचीम से जुड़ सकें।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान देश अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक की एवं विद्यार्थी के जन्मदिन के उपलब्ध में भागीदार व गैर विद्यार्थी कमेंटरियों सहित भावी संदर्भ में घट-घटावों ने आयोगित किया गया। मुख्यमन्त्री ने कुटुंबीयों की ध्वजा लिया।